''डोल का बाढ़'' में पेड़ काटकर फिनटेक पार्क बनाने पर अड़ा हुआ है रीको प्रशासन

रीको प्रशासन का कहना है कि यह वन भूमि नहीं, इसका अधिकार रीको के पास है, इसे उद्योग स्थापित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट से दो केसों में जीता गया था

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । ''डोल का बाढ़'' में करीब 166 बीघा जमीन पर उगे 2500 से ज्यादा हरे-भरे पेड़ों को काटकर रीको प्रशासन फिनटेक पार्क बनाने पर अड़ा हुआ है। दरअसल इन पेड़ों को बचाने के लिए पिछले करीब 2 वर्ष से वनप्रेमियों का आंदोलन चल रहा है, इसके बावजूद अधिकारी तानाशाही रवैया अपनाते हुए जमीन खोदकर औद्योगिक निर्माण कार्य करने में जुटे हुए है। जहां अधिकारी इस जमीन को रीको की भूमि बताकर औद्योगिकीकरण की आड़ में पेड़ों को काटने की जिम्मेदारी से बचना चाह रहे हैं, वहीं आंदोलन की अगुवाई कर रहे वन्यप्रेमी 2500 पेड़ों की कटाई और यहां रहने वाले कई प्रजातियों के पक्षियों को लेकर अपनी आवाज बुलंद कर रहे हैं। इनका कहना है कि फिनटेक पार्क में 85 प्रतिशत जगह सीमेंट-कंक्रीट के जाल से ढक दी जायेगी। सीवरेज, पानी व बिजली की लाइनों के पाइप और 47 मीटर तक की इमारतें और सड़कें बनेंगे, जो कि इन पेड़ों को नष्ट कर देंगी।

''सेव डोल का बाढ़'' आंदोलन से जुड़ी मिताली देसाई, शीना चौधरी, अभिषेक, विजेन्द्र शेखावत और कविता श्रीवास्तव ने बताया कि राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डवलपमेंट एंड इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन (रीको) प्रशासन यहां औद्योगिक पार्क बनाने के लिए अलग-अलग तरह के तर्क दे रहा है। रीको के अधिकारी कह रहे हैं कि ''डोल का बाढ़'' वन भूमि नहीं है, बल्कि इसका मालिकाना हक रीको प्रशासन के पास है। यहां पर उद्योग स्थापित करने के लिए विभाग ने सुप्रीम कोर्ट से यह भूमि दो केसों में जीती थी। इसके अलावा रीको प्रशासन का कहना है कि ''डोल का बाढ'' में विशेष प्रजाति के पक्षी और जानवर नहीं है और मौजूदा पेड़ों को भी पुनः लगाया जायेगा, हालांकि ये अधिकांश मौसमी पेड़ हैं, जो जमीन के इस्तेमाल नहीं होने के कारण उग गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि वर्ष 2011 के मास्टर प्लान में डोल का बाढ़ की भूमि आवासीय उपयोग के लिए की गई थी, बाद में वर्ष 2017 में इसे बदलकर जयपुर विकास प्राधिकरण ने औद्योगिक कर दिया। रीको प्रशासन कह रहा है कि फिनटेक पार्क बजट घोषणा थी, जो कि लाभकारी प्रोजेक्ट है।

बताया जा रहा है कि ''सेव डोल का बाढ़'' आंदोलन की शुरूआत जून-2021 में ही हो गई थी, जब 300 निवासियों ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा, लेकिन कभी भी जमीन के स्वामित्व का विवाद नहीं किया। वर्ष 1979 में जब अधिग्रहण के लिए अधिसूचना जारी की गई थी और वर्ष 1984 में जब भूमि अवाप्ति हुई, उस समय से पिछले 44 सालों में डीजीडीसी (जिसे वर्ष 1988 में यह भूमि दी गई थी) ने एमओयू के मुताबिक रत्न और जेम स्टोन औद्योगिक पार्क के रूम में विकसित नहीं किया। उसके बाद रीको ने हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में करीब 17 वर्ष केस लड़ा और वर्ष 2013 में जब रीको ने भूमि वापस नहीं लिया। उसके बाद 8 वर्ष और लगे कि इस भूमि के साथ क्या करना है। इस अवधि मे 44 वर्ष के लिए कुछ भी घटित नहीं होने के कारण 166 बीघा यह जमीन नैसर्गिक वन बन गया। ''सेव डोल का बाढ़'' आंदोलन से जुड़ी मिताली देसाई, शीना चौधरी, अभिषेक, विजेन्द्र शेखावत और कविता श्रीवास्तव ने बताया कि यहां पर उगे हुए 2500 पेड़ों की जब वन विशेषज्ञों ने जांच की तो पता लगा कि यहां 30 से ज्यादा प्रजातियो के पेड़ हैं, जिनमें नीम, रोहिडा, खेजड़ी जैसे 60 प्रकार की जड़ी बूटियां भी शामिल है। इसी तरह पक्षी विज्ञानियों ने भी स्वीकारा कि 13 दुर्लभ और प्रवासी पक्षी हैं, जो खतरे में हैं। इनमें अलेक्जंड्राइन पैरोकीट, गुलाबी गौरा मिना, कम बैली गला, स्काईज वार्बलर, ट्री पिपिट, ब्लैक रेड स्टार्ट, कॉमन चिफ चिफ, सेसी स्टारलिंग, रेड ब्रेस्टेड फ्लाई कैचर और जैबोबिल कुकू शामिल है।

डोल का बाढ़ में फिनटेक पार्क बनाने के लिए रीको प्रशासन द्वारा जमीन में खुदाई कर सीमेंट के बड़े-बड़े ब्लॉक लगाने का काम युद्धस्तर पर चल रहा है। यहां उगे हुए 2500 पेड़ों को बचाने के लिए वन्य प्रेमियों ने इन सीमेंटेड ब्लॉक्स पर भी 'सेव ट्री' जैसे संदेश लिखकर और विरोध प्रदर्शन करने में जुटे हुए है।

- ''डोल का बाढ़'' में विशेष प्रजाति के पक्षी और जड़ी-बूटियों के पेड़-पौधे होने की बात से भी मुकरे अधिकारी
- वन्यप्रेमियों का कहना है कि फिनटेक पार्क में 85 प्रतिशत जगह सीमेंट-कंक्रीट से ढक दी जायेगी। सीवरेज, पानी व बिजली की लाइनों के पाइप और 47 मीटर तक की इमारतें और सड़कें बनेंगे, जो कि इन पेड़ों को नष्ट कर देंगी।

सिद्धार्थ नगर में बदमाशों ने की कारों में तोड़फोड़

जयपुर । राजधानी के जवाहर सर्किल इलाके के सिद्धार्थ नगर में बुधवार रात 15 से 20 बदमाशों ने लाठी और डंडों से घर के बाहर खड़ी एक दर्जन से अधिक कारों के शीशे तोड़ दिए। बदमाशों ने कॉलोनी में खड़ी एक बस में भी तोड़फोड़ की। इसके बाद उन्होंने घरों पर पत्थर फेंके, जिससे कई लोगों की खिड़की के कांच टूट गए। इससे पहले गली में बिजली के पोल पर लगी लाइटें तोड़ डाली। वारदात के बाद आरोपी वहां से भाग गए। कॉलोनी के लोगों ने इसकी सूचना पुलिस कंट्रोल रुम पर दी। इसके एक घंटे बाद मौके पर पुलिस पहुंची। कॉलोनी और घरों में लगे सीसीटीवी कैमरों में बदमाश गाड़ियों में तोड़फोड़ करते नजर आ रहे हैं।

पुलिस ने बताया कि इस संबंध में राजेश गुप्ता, मुनीम सिंह, धर्मेन्द्र कुमार, विजय देव व रामगोपाल बैरवा सहित अन्य ने थाने में मामला दर्ज करवाया। जिसमें बताया कि बुधवार रात करीब सवा बारह बजे सिद्धार्थ नगर डी ब्लॉक कॉलोनी में 15 से 20 बदमाश पैदल घुसे और घर के बाहर खड़े 12 वाहनों और बस में तोड़फोड़ कर दी। बदमाशों ने कुछ घरों पर पत्थर भी फेंके जिससे खिड़की के कांच टूट गए। इसके साथ ही बदमाशों ने कॉलोनी में लगी बिजली के पोल की लाइटें भी तोड़ दी।

कॉलोनी के लोगों का कहना है कि कार का कांच तोड़ने की आवाज हुई तो लोग घरों से बाहर निकल आए। बदमाशों ने करीब 12 से 14 गाड़ियों के शीशे तोड़ दिए। कॉलोनी के लोगों का कहना है कि पुलिस कंट्रोल रुम फोन किया, लेकिन वह बिजी बताता रहा। काफी कोशिशों के बाद फोन लगा तो पूरी बात बताई तो उन्होंने कहा कि पुलिस आ रही है अभी। हैरानी की बात यह है कि एक घंटा निकल जाने के बाद भी पुलिस मौके पर नहीं पहुंच पाई थी। महज कुछ मिनटों की दूरी तय करने में पुलिस को एक घंटे से भी ज्यादा समय लग गया।

सार-समाचार

कैरम चैंपियनशिप में हुए डबल्स मैच

जयपुर, (का.सं.)। जयपुर ओपन कैरम चैंपियनशिप के डबल्स मैचो में सेमीफाइनल और क्वार्टर फाइनल के मैच आज खेले गए। फ़ज़ल और साबिर की जोड़ी सेमीफाइनल में दूसरे क्वार्टर फाइनल में बॉबी और बिलाल की जोड़ी ने शोएब और शाहिद को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। तीसरे क्वार्टर फाइनल में हसीन और दानिश की जोड़ी ने अकबर और काशिफ की जोड़ी को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। फोर्थ क्वार्टर फाइनल में शाहरुख एवं रेहान की जोड़ी ने शोएब और हसीन की जोड़ी को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। चारों क्वार्टर फाइनल बहुत ही शानदार तरीके से खेले गए। सभी क्वार्टर फाइनल मैच चीफ रेफरी जितेंद्र कुमार भार्गव की देख रेख में खेले गए।

विवाहिता ने की आत्महत्या

जयपुर (कासं)। दहेज टॉर्चर से परेशान विवाहिता ने सुसाइड कर लिया। ससुराल में तारपीन का तेल डालकर खुद को आग लगा दी। गंभीर झुलसी हालत में इलाज के दौरान सवाई मानसिंह हॉस्पिटल में उसकी मौत हो गई। मरने से पहले हॉस्पिटल में परिजनों को बोली- ससुरालवालों ने मार डाला। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। मृतका के भाई की शिकायत पर ससुरालवालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई है। पुलिस ने बताया कि गेटोर रोड ब्रह्मपुरी निवासी सरस्वती देवी (28) ने सुसाइड किया है। मृतका के भाई जगदीश ने ससुरालवालों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है। जगदीश का कहना है कि करीब 3 साल पहले रामगंज निवासी राजेन्द्र महावर से उसकी शादी हुई थी। शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष कम दहेज लाने की बात को लेकर टॉर्चर करता था। दहेज टॉर्चर से परेशान होने पर उसने अपने घर पर भी बताया था। परेशान होकर करीब 2 महीने पहले सरस्वती अपनी बड़ी बहन के पास चली गई थी। इसके बाद ससुरालवालों के खिलाफ महिला थाना (नॉर्थ) में शिकायत भी की थी। समझाइस के बाद ससुरालवाले उसे अपने साथ घर ले गए थे। घर ले जाने के बाद उसके बाद दोबारा ससुरालवाले टॉर्चर करने लगे। पुलिस का कहना है कि 12 सितम्बर को सुबह सरस्वती अपने घर पर थी। कमरे में तारपीन का तेल उड़ेलकर उसने खुद को आग लगा ली। आग की लपटों में घिरी सरस्वती दौड़ते हुए घर से बाहर निकली। आस-पड़ोसियों ने उसे बचाने के लिए आग बुझाई। गंभीर झुलसी हालत में सरस्वती को हॉस्पिटल में भर्ती करवाया। इलाज के दौरान सरस्वती ने दम तोड़ दिया।

युवती से देहशोषण व ब्लैकमेलिंग

जयपुर । ब्रह्मपुरी इलाके में एक युवती से देहशोषण का मामला सामने आया है। पुलिस ने बताया इलाके निवासी युवती ने रिपोर्ट दी है कि अर्जुन लाल मौर्य काफी सालों से देहशोषण करता आ रहा है। अब वह ब्लैकमेल और मारपीट करता है। पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

सट्टा खेलते हुए 9 बदमाश गिरफ्तार

जयपुर । खोह नागोरियान, ट्रांसपोर्ट नगर थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम ने पर्ची सट्टा के खिलाफ कार्रवाई करते हुए नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है और उनके पास से 35 हजार की राशि बरामद की है। डीसीपी (ईस्ट) ज्ञानचंद यादव ने बताया कि पर्ची सट्टा लगाने वाले शाहिद खान निवासी ट्रांसपोर्ट नगर, किशन लाल, इन्द्रजीत, रोहित बैरवा, मनोज, यश, मुकेश, हरफूल और आकाश कुमार को गिरफ्तार कर उनके पास से 35 हजार रूपए की नकदी बरामद की है।

शातिर नकबजन पुलिस के हत्थे चढ़े

जयपुर । मालपुरा गेट पुलिस ने शातिर और अव्वल दर्जे के नकबजन को गिरफ्तार किया है और उसके पास से चार लाख रूपए कीमत के 1 लैपटॉप और 11 मोबाइल बरामद किए है। आरोपी ने पुलिस पूछताछ में दो दर्जन से अधिक नकबजनी की वारदात का खुलासा किया गया है। डीसीपी (ईस्ट) ज्ञानचंद यादव ने बताया शातिर नकबजन राहुल कारीया उर्फ राहुल गुप्ता निवासी आगरा यूपी हाल मालपुरा गेट को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

बोलेरो चोर गिरोह का पर्दाफाश

जयपुर । रामनगरिया थाना पुलिस ने बोलेरो चोर गिरोह का खुलासा करते हुए तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से चोरी की बोलेरो भी जब्त की गई है। आरोपियों के खिलाफ जयपुर शहर सहित अन्य जिलों में पूर्व में वाहन चोरी के दर्जनों मामले दर्ज है। आरोपित चोरी की बोलेरो से चोरी की वारदात करने के आदतन अपराधी है। डीसीपी (ईस्ट) ज्ञानचंद यादव ने बताया गिरोह के शातिर बदमाश कुलदीप उर्फ संजू (35) निवासी महावीर जी जिला करौली, लेखराज उर्फ भूरा (37) निवासी सलेमपुर जिला दौसा और रवि कुमार गुर्जर (28) निवासी बयाना जिला भरतपुर को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी की एक बोलेरो बरामद की है।

पुलिस ने बचाई युवक की जान

जयपुर । मालपुरा गेट थाना पुलिस ने सूझबूझ व आधुनिकीकरण पुलिसिंग का प्रयोग करते हुए रेलवे ट्रैक पर सुसाइड करने पहुंचे एक युवक की जान बचा ली। डीसीपी (ईस्ट) ज्ञानचन्द यादव ने बताया पुलिस कन्ट्रोल रूम पर सूचना मिली की एक युवक खुद का वीडियो वायरल कर मरने जा रहा है। वह कंट्रोल रूम पर बार-बार वीडियो और लोकेशन भेज रहा था। पुलिस जब लोकेशन पर पहुंचती तो वह जगह बदल देता। इस पर तुरंत युवक निकेश मालावत निवासी ग्राम मेहंदवास जिला टोंक हाल वाटिका मंडी सांगानेर की पहचान कर उसके मोबाइल नंबर प्राप्त कर लोकेशन ली गई, जोकि रेल्वे स्टेशन के आस पास एक्टिव होना पाया गया। पुलिस ने लगातार पीछा कर रेल्वे ट्रैक के पास नाले में कूदने जा रहे युवक को दस्तयाब कर लिया।

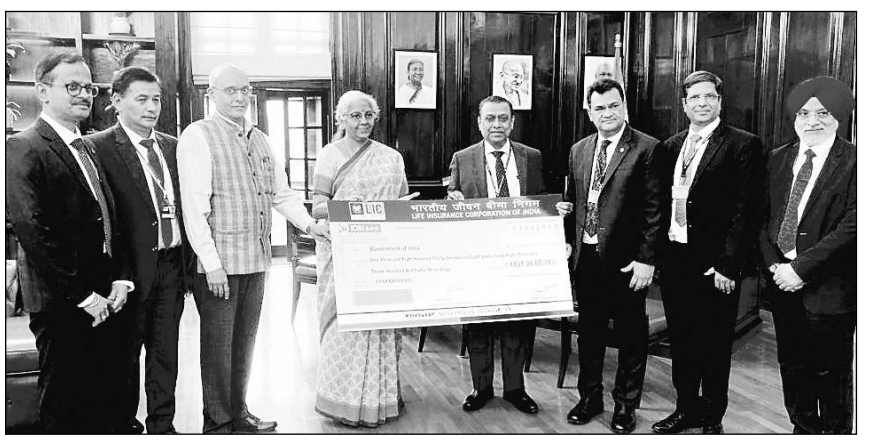

भारतीय जीवन बीमा निगम के अध्यक्ष सिद्धार्थ मोहंती ने 1831.09 करोड़ रुपये के लाभांश का चैक केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को सौंपा। ज्ञात रहे कि 22 अगस्त 2023 को आयोजित वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों द्वारा भारत सरकार के लाभांश के हिस्से के रूप में यह रकम मंजूर की गई थी। इस मौके पर केन्द्रीय वित्त मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग के अतिरिक्त सचिव डॉ. एम. पी. तंगिरला, भारतीय जीवन बीमा निगम के प्रबंध निदेशक एम. जगन्नाथ, तबलेश पांडे, सतपाल भानु, दोराईस्वामी और जे.पी.एस.बजाज मौजूद थे।

युवती की हत्या कर शव नाहरगढ़ की पहाड़ी पर फेंकने वाले दबोचे

- आरोपियों ने तकिए से मुंह दबाकर हत्या की, शव बैग में डालकर ले गए
- नाहरगढ़ पहाड़ी पर पत्थरों के बीच लाश छिपाकर आये थे आरोपी
- आरोपी कोलकत्ता, नेपाल, दिल्ली आदि स्थानों से लड़कियां लाकर जयपुर में अनैतिक कार्य करवाते थे

जयपुर । चित्रकूट नगर थाना ने कार्रवाई करते हुए एक युवती का तकिए से मुंह बंद कर हत्या कर शव फेंकने के मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। जानकारी में सामने आया है कि गिरफ्तार हत्यारों ने शव को बैग में डालकर नाहरगढ़ की पहाड़ी में पत्थरों के नीचे दबा दिया गया। फिलहाल आरोपितो से पूछताछ की जा रही है।

थानाधिकारी बलवीर सिंह ने बताया कि लक्ष्मी नामक नेपाली युवती का तकिए से मुंह बंद कर हत्या कर साक्ष्य मिटाने और शव को बैग में डाल नाहरगढ़ की पहाड़ी में पत्थरों के नीचे दबाने वाले हत्यारे स्वपन मंडल उर्फ तरूण निवासी पश्चिमी बंगाल और उसका साथी सुमन विश्वास उर्फ राम निवासी पश्चिमी बंगाल को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपित कोलकत्ता, नेपाल, दिल्ली आदि स्थानों से लड़कियां लाकर जयपुर में अनैतिक कार्य करवाते है,जो थाना इलाके में स्थित विनोबा भावे नगर के अपार्टमेंट में किराए से रहते है।

गौरतलब है कि जिला स्पेशल टीम पश्चिम जयपुर के सर्किल पुलिस निरीक्षक गणेश कुमार सैनी ने थाने में हत्या का मामला दर्ज करवाया था कि पिछले दिनों रानाघाट नदिया (पश्चिम बंगाल) की रहने वाले स्वपन मंडल उर्फ तरूण ने अपने साथी सुमन के साथ मिलकर एक युवती की हत्या कर शव को बैग में डालकर नाहरगढ़ की पहाड़ी में पत्थरों के नीचे दबा दिया। जिसने कुछ समय पहले नेपाल की रहने वाली लड़की को गलत काम करवाने के लिए जयपुर लाया था। शुरुआत में लड़की को जयपुर रेलवे स्टेशन के पास स्थित होटल में ठहराया था। और उसके बाद लड़की को अपने अपार्टमेंट पर ले गया था।

जहां 10-12 दिन पहले किसी बात को लेकर स्वपन मंडल की लड़की से कहासुनी हो गई। गुस्से में स्वपन मंडल ने नौकर सुमन विश्वास उर्फ राम और साथियों के साथ मिलकर लड़की की हत्या कर दी। सबूत मिटाने के लिए लाश को एक बड़े बैग में भरकर रखा और रात के अंधेरे में गाड़ी में बैग को डालकर नाहरगढ़ की पहाड़ियों में लाश को ठिकाने लगाने की योजना बनाई गई। जहां आरोपितों ने नाहरगढ़-जयगढ़ जाने वाले रास्ते पर गाड़ी रोककर बैग को निकाल कर जंगल की पहाड़ियों में 100 मीटर नीचे बैग को घसीट कर ले गए। बैग को पत्थरों के नीचे दबाने के बाद हत्यारे फरार हो गए। सूचना पुलिस ने जांच पडताल करते हुए संदिग्ध हत्यारों को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ के बाद युवती की हत्या कर नाहरगढ़ की पहाड़ियों में शव फेंकना सामने आया। जिस पर शव बरामद करने के लिए पुलिस टीम नाहरगढ़ की पहाड़ी पहुंची,जहां पुलिस को पहाड़ियों में पत्थरों के नीचे एक बड़ा बैग दबा मिला। पत्थर हटाकर देखने पर बैग के अंदर लड़की की लाश मिली।

जालौर जेल से फरार बदमाश रिमांड पर

जयपुर । वर्ष 2011 में जालोर जेल तोड़कर खुद के साथ 13 बंदियों को भगाकर ले जाने वाले कमल सिंह उर्फ कमल राणा को जयपुर की विश्वकर्मा थाना पुलिस ने मध्यप्रदेश से प्रॉडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया है।

वांटेड मंदसौर में हत्या के मामले में पकड़ा गया था और राजस्थान में जयपुर, उदयपुर व प्रतापगढ़ में वांटेड चल रहा था। आरोपी जयपुर में विश्वकर्मा व सदर थाना क्षेत्र में मादक पदार्थ तस्करी के लिए गोदाम बना रखे थे। एडिशनल पुलिस कमिश्नर कैलाश बिश्नोई ने बताया कि दो वर्ष पहले गोदाम पर दबिश देकर भारी मात्रा में मादक पदार्थ डोडा पोस्त पकड़ा था। तब वांटेड कमल राणा के साथी झुंझुनूं के जसरापुर खेतड़ी निवासी तौफिक अली, मण्डावा स्थित नूंआ निवासी इमरान अहमद को गिरफ्तार किया था।

प्रदर्शनी के दौरान यातायात व्यवस्था में बदलाव

जयपुर । राजधानी के जलमहल झील पर 15 से 17 सितम्बर तक आयोजित प्रदर्शनी को लेकर यातायात की विशेष व्यवस्था की गई है।

प्रस्तावित कार्यक्रम में लगभग 20 से 25 हजार आमजन के रोजाना आने की संभावना है। इसे देखते हुए इस अवधि में रामगढ़ मोड से जलमहल के सामने से आमेर की तरफ आने व जाने वाली सीटी व मिनी बसों का संचालन निषेध रहेगा। वहीं आमेर तिराहा दिल्ली रोड से आमेर की तरफ आने वाले सामान्य यातायात को डायवर्ट कर दिल्ली रोड पर संचालित किया जायेगा। आमेर कस्बे से मावठा होकर जलमहल की तरफ आने वाले सामान्य यातायात को गांधी चौक से आमेर तिराहा दिल्ली रोड की तरफ डायवर्ट कर संचालित किया जायेगा। नाहरगढ़ फोर्ट से जलमहल की तरफ आने वाले सामान्य यातायात को जयगढ टी. पाईन्ट से आमेर कस्बे की तरफ डायवर्ट किया जायेगा। रामगढ मोड से जलमहल होकर आमेर की तरफ जाने वाले सामान्य यातायात को अत्यधिक दबाव होने की स्थिति में रामगढ मोड से धोबीघाट दिल्ली रोड की तरफ डायवर्ट किया जायेगा। रामगढ मोड से कनक घाटी तक मुख्य मार्ग पर सभी प्रकार के वाहनो की पार्किंग निषेध रहेगी।

बांधों की सुरक्षा राष्ट्र की समृद्धि सुनिश्चित करती है : उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़

बांध सुरक्षा में प्रभावी भूमिका निभाएगा भारत : केन्द्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत

जयपुर, (का.सं.)। भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आज जयपुर में बांध सुरक्षा पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित किया। अपने संबोधन में उपराष्ट्रपति ने कहा कि बांधों की सुरक्षा राष्ट्र की समृद्धि को सुनिश्चित करती है।

जी-20 की थीम- एक पृथ्वी, एक परिवार एक भविष्य का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जी-20 के सफल आयोजन ने पूरी दुनिया को हमारी महान सांस्कृतिक विरासत, सदियों पुरानी समृद्ध परंपरा और भारतीय संस्कृति के जीवन मूल्यों से परिचित कराया। आज पूरी दुनिया हमारा लोहा मान रही है।

उपराष्ट्रपति ने अपने संबोधन में आगे कहा कि बांध ऐतिहासिक रूप से पूरी दुनिया में सामाजिक और आर्थिक समृद्धि का केंद्र बिन्दु रहे है। बांध मानवता के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं, बांध समाज के लिए जल की उपलब्धता सुनिश्चित करते हैं, जिससे सिंचाई होती है, अनाज उगता है और पूरी मानवता का पेट भरता है। धनखड़ ने खुद को कृषक पुत्र बताते हुए और ग्रामीण परिवेश का होने का जिक्र करते हुए कहा कि मुझे पानी का महत्व पता है कि किसान के लिए पानी की कीमत क्या होती है, ये मैं भलीभाँति जानता हूँ, उन्होंने कहा बांध हमें न सिर्फ बाढ़ जैसी विभीषिका से बचाते हैं बल्कि लाखों लोगों के जीवन के साथ-साथ देश की अमूल्य संपत्ति की भी रक्षा करते हैं। भारत की सभ्यता दुनिया की सबसे प्रचीन और समृद्ध सभ्यता है, हमारी सभ्यता पाँच हजार सालों से भी अधिक प्राचीन है, हमारी सभ्यता नदियों के किनारे ही फली-भूली है। नदियों ने अपने जल से सभ्यता को सींचा है। आगे जोर देते हुए उन्होंने कहा कि भारत में जल प्रबंधन की जड़े सदियों पुरानी हैं, भारती की सभ्याता में जल प्रबंधन के बेजोड़ उदाहरण उपलब्ध हैं। अपनी इस यात्रा के दौरान जगदीप धनखड़, ने जल शक्ति मंत्रालय के राष्ट्रीय जल मिशन का संदेश प्रदान करने के उद्देश्य से कामाख्या एक्सप्रेस के विनायल रैपिंग किए गए रेक को वाराणसी स्टेशन पर जयपुर से वीडियों कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि हजारों वर्षों से मानव सभ्यता के विकास में बांधों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। बांध न केवल पीने के पानी, सिंचाई, जलविद्युत आदि की बढ़ती मांगों को पूरा करने में योगदान दे रहे हैं, बल्कि विनाशकारी बाढ़ के प्रबंधन में भी उपयोगी भूमिका निभाते हैं। भारत में बांध निर्माण का गौरवशाली इतिहास रहा है। भारत में करीब दो हजार वर्ष पहले चोल वंश के राजा करिकलन ने कल्लनई (ग्रैंड एनीकट) के रूप में कावेरी नदी पर पहला बांध बनवाया था। यह बांध आज भी काम कर रहा है और दस लाख एकड़ भूमि की सिंचाई में मदद कर रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ समय पहले अमेरिका के नॉक्सविले में टेनेसीवैली अथॉरिटी का दौरा किया। उनके द्वारा बांध सुरक्षा के लिए अब तक उठाए गए कदमों की जानकारी प्राप्त हुई। बकौल केंद्रीय मंत्री पीएम के नेतृत्व में भारत ने विगत दस सालों में इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। बांध सुरक्षा के क्षेत्र में विषय विशेषज्ञों का समूह बनाने के मकसद से आईआईटी रूड़की और आईआईएससी बेंगलुरू में बांध सुरक्षा और बांध इंजीनियरिंग पर मास्टर्स कार्यक्रम भी शुरू किया गया है।

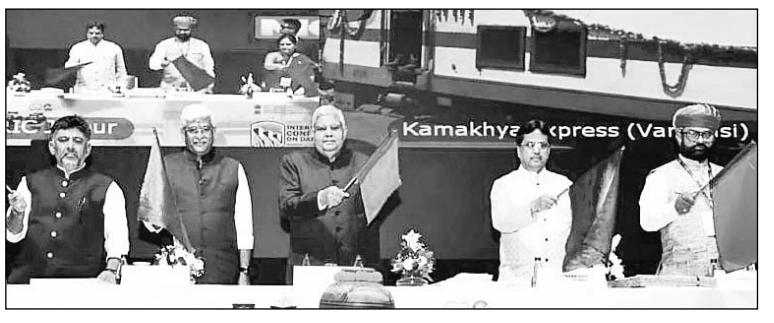

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने जयपुर में बांध सुरक्षा पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान जल शक्ति मंत्रालय के राष्ट्रीय जल मिशन का संदेश प्रदान करने के उद्देश्य से कामाख्या एक्सप्रेस के विनायल रैपिंग किए गए रेक को जयपुर से वाराणसी स्टेशन पर वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।